दिनांक: 14 अगस्त 2023

बेलेम घोषणा

इस लेख में "दैनिक करंट अफेयर्स" और विषय विवरण "बेलेम घोषणा" शामिल है। संघ लोक सेवा के सिविल सेवा परीक्षा के "पारिस्थितिकी और पर्यावरण" खंड में "बेलेम घोषणा" विषय की प्रासंगिकता है।

प्रारम्भिक परीक्षा के लिए:

- *बेलेम घोषणा क्या है?*
- *अमेज़ॅन सहयोग संधि संगठन (ACTO) क्या है?*

मुख्य परीक्षा के लिए:

सामान्य अध्ययन-03: *पारिस्थितिकी और पर्यावरण – संरक्षण*

सुर्खियों में क्यों?

- अमेज़ॅन शिखर सम्मेलन के दौरान, **आठ दक्षिण अमेरिकी देशों ने बेलेम घोषणा पर हस्ताक्षर** किए।

बेलेम घोषणा के बारे में-

बेलेम घोषणा अमेज़ॅन सहयोग संधि संगठन (ACTO) **देशों द्वारा हस्ताक्षरित एक समझौता है** जो अमेज़ॅन वर्षावन के **खतरों और जलवायु संकट में इसके महत्व से निपटने के लिए है।**

- **आम सहमति को मजबूत करना:** घोषणा ब्राजील, बोलीविया, कोलंबिया, इक्वाडोर, गुयाना, पेरू, सूरीनाम और **वेनेजुएला के संयुक्त लक्ष्यों को दर्शाती है। ब्राजील के शहर बेलेम में आयोजित बैठक में** हस्ताक्षरित 113 उद्देश्य और सिद्धांत शामिल हैं।
- **स्थिरता को बढ़ावा देना: बेलेम घोषणा निर्णय लेने में स्वदेशी लोगों की भागीदारी की** वकालत करती है और अमेज़ॅन के **जैव विविधता संसाधनों के स्थायी उपयोग का समर्थन करती है। यह संरक्षण के** लिए स्वदेशी ज्ञान को भी महत्व देता है।
- **वित्तीय तंत्र: यह पर्यावरण के अनुकूल विकास के लिए वित्तपोषण विकल्प पेश करता है और** ACTO को नए अमेज़ॅन सहयोग एजेंडे को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण स्थान देता है।

आपात्काल-

- घोषणापत्र में अमेज़न में **"वापस न आने की स्थिति" को रोकने के लिए क्षेत्रीय सहयोग और जागरूकता पर ज़ोर** दिया गया है, जहाँ वनों की कटाई, **पर्यावरण क्षरण और ग्लोबल वार्मिंग क्षेत्र के आत्म-पुनर्जनन को रोकते हैं।**
- **अमेज़ॅन एलायंस:** वनों की कटाई से निपटने के लिए अमेज़ॅन एलायंस, जो 2030 **तक शून्य वनों की कटाई को प्राप्त करने जैसे राष्ट्रीय लक्ष्यों पर आधारित होगा, इसे आठ राष्ट्रपतियों द्वारा स्थापित किया गया है।**

अमेज़ॅन सहयोग संधि संगठन (ACTO)-

- **सदस्य:** बोलीविया, ब्राजील, कोलंबिया, **इक्वाडोर**, गुयाना, पेरू, सूरीनाम और वेनेजुएला,

- **उद्देश्य:** ACTO का उद्देश्य सामंजस्यपूर्ण रूप से अमेज़ॅन क्षेत्रों को विकसित करना है और अधिनियम के लक्ष्यों को लागू करने के लिए 1995 में स्थापना किया गया।
- **स्थायी सचिवालय:** ACTO का स्थायी सचिवालय ब्रासीलिया, ब्राज़ील में स्थित हैं इसी मुख्यालय से इसके संचालन किया जाता है।

अमेज़ॅन सहयोग संधि संगठन (ACTO)-

अधिनियम के माध्यम से स्थापना:

- ACTO को 1978 में स्थापित अमेज़न सहयोग संधि (ACT) के परिणामस्वरूप बनाया गया था।
- **ACTO का उद्देश्य:** ACTO का प्राथमिक ध्यान अमेज़ॅन क्षेत्रों के भीतर संतुलित विकास को बढ़ावा देना है।

ACTO के माध्यम से उन्नति:-

- 1995 में, आठ देशों ने अमेज़ॅन सहयोग संधि में उल्लिखित लक्ष्यों को मजबूत करने और साकार करने के उद्देश्य से अमेज़ॅन सहयोग संधि संगठन (ACTO) स्थापित करने का निर्णय लिया।

अमेज़ॅन वर्षावन: पृथ्वी का कीमती पारिस्थितिकी तंत्र

- **क्षेत्र:** अमेज़ॅन वर्षावन ब्राजील, बोलीविया, कोलंबिया, इक्वाडोर, गुयाना, पेरू, सूरीनाम, वेनेजुएला और फ्रेंच गुयाना के कुछ हिस्सों तक फैला हुआ है।
- **सबसे बड़ा उष्णकटिबंधीय वर्षावन:** ब्राजील के लगभग 60% और अन्य देशों के कुछ हिस्सों को कवर करते हुए, अमेज़ॅन वर्षावन अत्यधिक पारिस्थितिक महत्व है।

स्थल भूमि की मुख्य विशेषताएं:-

- **जैव विविधता:** पृथ्वी पर सभी ज्ञात प्रजातियों में से लगभग 10% जैव विविधता में पाई जाती हैं।
- **वन कवरेज:** इसमें 1.6 बिलियन एकड़ घने जंगल शामिल हैं, जो दुनिया के शेष उष्णकटिबंधीय जंगलों का लगभग आधा हिस्सा है
- **ताजा पानी:** इसमें वैश्विक तरल मीठे पानी का 20% शामिल है।
- **अमेज़ॅन बेसिन:** अमेज़ॅन बेसिन में 2.7 मिलियन वर्ग मील तक फैला हुआ है, जो दक्षिण अमेरिका का लगभग 40% है।

अमेज़ॅन वर्षावन का महत्व:

- **पृथ्वी के फेफड़े:** "पृथ्वी के फेफड़े" के रूप में जाना जाता है, यह सक्रिय रूप से कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करता है और ऑक्सीजन उत्सर्जित करता है।
- **वैश्विक स्वास्थ्य:** अमेज़ॅन की भलाई ग्रह के स्वास्थ्य के साथ जुड़ी हुई है।
- **जैव विविधता हब:** पृथ्वी की सतह का केवल 1% हिस्सा होने के बावजूद, यह सभी ज्ञात वन्यजीव प्रजातियों में से 10% का निवास स्थान है।
- **जलवायु स्थिरीकरण:** अमेज़ॅन वर्षावन में अनुमानित 150-200 बिलियन टन कार्बन मौजूद होने का अनुमान है, जो स्थानीय और वैश्विक जलवायु स्थिरता में योगदान देता है।

अमेज़ॅन वर्षावन के लिए खतरा:

वनों की कटाई में वृद्धि:-

- 2022 की पहली छमाही में वनों की कटाई 2017 की इसी अवधि की तुलना में तीन गुना अधिक थी।
- पिछले पांच वर्षों में वनों की कटाई लगातार बढ़ रही है, जो धीमा होने का कोई संकेत नहीं दिख रहा है।

जलवायु परिवर्तन का प्रभाव:

- **उष्णकटिबंधीय वनों का सूखना:** बढ़ते वैश्विक तापमान के परिणामस्वरूप, उष्णकटिबंधीय वन अधिक शुष्क होते जा रहे हैं, जिससे जंगल में आग लगने का खतरा बढ़ जाता है।

व्यापक वन हानि और क्षति:-

- **बहुउद्देश्यीय मंजूरी:** खनन, कृषि, कटाई और बिजली उत्पादन के लिए सड़कों और बांधों जैसे बुनियादी ढांचे के लिए जंगल के विशाल हिस्से को साफ किया जाता है।

Yojna IAS
योजना है तो सफलता है
yojnaias.com

खाद्य और कृषि दबाव:

- **बढ़ती खाद्य मांग:** भोजन, विशेष रूप से मांस की वैश्विक मांग, कृषि विस्तार को प्रेरित करती है।
- **गोमांस और सोया निर्यात:** ब्राज़ील अब दुनिया के किसी भी अन्य दे
- श की तुलना में अधिक गोमांस निर्यात करता है, और यह सोयाबीन का दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक भी है, जिसका उपयोग मुख्य रूप से पशु चारे के रूप में किया जाता है।

Sources:

Leaders from South American Nations Challenge Developed Countries to Stop Amazon Destruction at Belem Summit – The Hindu

दैनिक प्रारम्भिक प्रश्न परीक्षा –

Q1. बेलेम घोषणा के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. अमेजन शिखर सम्मेलन के दौरान आठ दक्षिण अमेरिकी देशों ने बेलेम घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए थे।
2. बेलेम घोषणा का उद्देश्य वैश्विक वर्षावन के खतरों और जलवायु संकट में इसके महत्व को संबोधित करना है।
3. बेलेम बोलीविया का एक शहर है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2 और 3
c) केवल 3
d) कोई नहीं

उत्तर: (a)

Q2. निम्नलिखित पर विचार करें:

1. बोलीविया
2. कोलंबिया
3. इक्वेडोर
4. पेरू
5. चिली
6. फ्रेंच गयाना

उपरोक्त देशों में से कितने अमेज़ॅन सहयोग संधि संगठन (ACTO) का हिस्सा हैं?

(a) केवल दो
(b) केवल तीन
(c) केवल चार
(d) केवल पांच

उत्तर: (c)

मुख्य परीक्षा प्रश्न-

Q3. बेलेम घोषणा अमेज़ॅन वर्षावन संरक्षण और जलवायु संकट के संदर्भ में संरक्षण के लिए क्षेत्रीय सहयोग के महत्व पर कैसे जोर देती है? इस संदर्भ में बेलेम घोषणा के महत्व का वर्णन करें।

Rajiv Pandey

कपास क्षेत्र के विकास के लिए भारत सरकार की पहल

इस लेख में "दैनिक करंट अफेयर्स" और विषय विवरण "कपास क्षेत्र के विकास के लिए भारत सरकार की पहल" शामिल है। संघ लोक सेवा, सिविल सेवा परीक्षा के कृषि खंड में "कपास क्षेत्र के विकास के लिए भारत सरकार की पहल" विषय की प्रासंगिकता है।

प्रीलिम्स के लिए:-

- *कपास के बारे में मुख्य तथ्य?*

मुख्य परीक्षा के लिए:-

सामान्य अध्ययन- 3: कृषि

- *भारत में कपास क्षेत्र के सामने प्रमुख चुनौतियां?*
- *कपास क्षेत्र के विकास के लिए सरकार की पहल?*

सुर्खियों में क्यों:

- हाल ही में, कपड़ा मंत्रालय के राज्य मंत्री ने कपास किसानों को सशक्त बनाने और कपास क्षेत्र के विकास को आगे बढ़ाने में किए गए उल्लेखनीय प्रगति पर जोर दिया।

कपास के बारे में मुख्य तथ्य:-

- कपास एक खरीफ फसल है जिसे आमतौर पर परिपक्वता के लिए 6 से 8 महीने की आवश्यकता होती है।
- यह शुष्क जलवायु के लिए अत्यधिक अनुकूलनीय है और अपने सूखा प्रतिरोध के लिए जाना जाता है।
- कपास की खेती दुनिया की कृषि योग्य भूमि का लगभग 2.1% हिस्सा है और वैश्विक वस्त्र का लगभग 27% मांग पूरा करती है।
- फसल 21 से 30 डिग्री सेल्सियस के तापमान में उगाया जा सकता है।
- इष्टतम विकास के लिए लगभग 50 से 100 सेमी की वर्षा सीमा की आवश्यकता होती है।
- दक्कन के पठार में, काली कपास मिट्टी जिसे "रेगुर मिट्टी" के नाम से जाना जाता है, अच्छी जल निकासी वाली होती है और कपास के लिए पसंद की जाती है।
- कपास फाइबर, तेल और पशु आहार का एक स्रोत है।
- भारत विश्व स्तर पर एक प्रमुख कपास उत्पादक है, इसके बाद चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका हैं।
- भारत में शीर्ष कपास उत्पादक राज्य गुजरात है, जिसके बाद महाराष्ट्र, तेलंगाना, राजस्थान और आंध्र प्रदेश हैं।
- कपास की चार मुख्य खेती की जाने वाली प्रजातियाँ: गॉसिपियम अर्बोरियम (Gossypium arboreum), जी.हर्बेसम (G.herbaceum), जी.हिरसुटम (G.hirsutum) व जी.बारबडेंस (G.barbadense)
- गोसीपियम आर्बोरियम और जी. हर्बेसियम को पुरानी दुनिया के कपास या 'एशियाटिक कॉटन' के रूप में जाना जाता है।
- जी.हिरसुटम को अमेरिकी कपास या अपलैंड कपास के रूप में भी जाना जाता है, जबकि जी. जी.बारबडेंस को मिस्र के कपास के रूप में जाना जाता है, ये दोनों नई दुनिया की कपास प्रजातियां हैं।

Yojna IAS
योजना है तो सफलता है
yojnaias.com

भारत में कपास क्षेत्र के सामने आने वाली प्रमुख चुनौतियों को निम्नानुसार रेखांकित किया जा सकता है:-

- **कीट संक्रमण और गुणवत्ता में कमी:** भारत के कपास क्षेत्र कीटों के हमलों के लिए अतिसंवेदनशील होते हैं, जिससे उत्पादन में कमी आती है और गुणवत्ता से समझौता होता है। मोनोकल्चर, अपर्याप्त कीट नियंत्रण, प्रतिकूल मौसम की स्थिति और खराब मिट्टी की गुणवत्ता जैसे कारक कपास की फसलों में कीट संक्रमण में योगदान करते हैं।
- **प्रति हेक्टेयर निम्न उत्पादकता:-** भारत की प्रति हेक्टेयर कपास उत्पादकता अन्य प्रमुख कपास उत्पादक देशों की तुलना में कम है। यह मुख्य रूप से पुरानी कृषि पद्धतियों के उपयोग, अपर्याप्त सिंचाई सुविधाओं और खराब बीज गुणवत्ता के कारण निम्न उत्पादकता
- **छोटे पैमाने पर किसानों के वित्तीय संघर्ष:-** भारत में छोटे पैमाने पर कपास किसानों को बीज, उर्वरक और कीटनाशकों जैसे आवश्यक आदानों की उच्च लागत के कारण वित्तीय चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। आर्थिक बोझ उनकी लाभप्रदता और स्थिरता में बाधा डाल सकता है।
- **मानसून की बारिश पर निर्भरता:-** भारत की कपास की फसल की सफलता मानसून की बारिश पर बहुत अधिक निर्भर करती है। असंगत और अप्रत्याशित मानसून पैटर्न फसल की वृद्धि को बाधित कर सकते हैं और समग्र उपज को प्रभावित कर सकते हैं।
- **ऋण और गरीबी चक्र:-** भारत में बड़ी संख्या में कपास किसानों के कर्ज में डूबे होने के कारण ऋण-गरीबी चक्र और भी गंभीर हो गया है। ऋण चूक और अन्य वित्तीय दायित्व आर्थिक मंदी के चक्र को जारी रख सकते हैं।
- **बाजारों तक सीमित पहुंच:-** प्रत्यक्ष बाज़ार पहुंच का अभाव भारतीय कपास किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण समस्या है। बाज़ारों तक पहुंच की कमी के कारण, कई किसान अपनी उपज बिचौलियों को हानिकारक कीमतों पर बेचने के लिए मजबूर होते हैं।

कपास क्षेत्र के विकास के लिए सरकार की पहल:-

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एनएफएसएम) के तहत कपास विकास कार्यक्रम:-

- कपास विकास कार्यक्रम कृषि और किसान कल्याण विभाग द्वारा शुरू की गई एक महत्वपूर्ण पहल है।
- यह असम, आंध्र प्रदेश, गुजरात आदि जैसे राज्यों सहित पूरे भारत में 15 प्रमुख कपास उगाने वाले राज्यों में उपयोग में है।
- इस कार्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य इन प्रमुख कपास उत्पादक राज्यों के भीतर कपास उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि करना है।
- इस पहल में किसानों के लिए व्यापक प्रशिक्षण के साथ-साथ व्यावहारिक प्रदर्शन, क्षेत्र परीक्षण और महत्वपूर्ण पौध संरक्षण रसायनों का वितरण शामिल है।

कपास के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) फॉर्मूला: –

- कपास के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को एक नए फार्मूले की शुरूआत के साथ नया रूप दिया गया है।
- इस फॉर्मूले का आधार ऐसी कीमत की गारंटी देना है जो उत्पादन लागत (ए2+एफएल) का 1.5 गुना है।
- इस फॉर्मूले को लागू करने का उद्देश्य कपास किसानों के वित्तीय हितों की रक्षा करना है, साथ ही कपड़ा उद्योग के लिए कपास की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करना है।
- एमएसपी दरें, जो एक सूत्र द्वारा निर्धारित की जाती हैं, किसानों को बेहतर आय सहायता देने के लिए समय-समय पर बढ़ाई जाती हैं।
- कपास सीजन 2022-23 के लिए, उचित औसत गुणवत्ता (एफएक्यू) ग्रेड कपास के एमएसपी में लगभग 6% की वृद्धि देखी गई और आगामी कपास सीजन 2023-24 के लिए इसे 9% से 10% तक वृद्धि होने की उम्मीद है।

भारतीय कपास निगम (सीसीआई):-

- भारतीय कपास निगम (सीसीआई) एमएसपी संचालन के लिए केंद्रीय नोडल एजेंसी के रूप में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- इसका कार्य विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाता है जब उचित औसत गुणवत्ता (एफएक्यू) ग्रेड बीज कपास (कपास) की बाजार कीमतें एमएसपी दरों से नीचे आ जाती हैं।
- यह प्रणाली कपास के लिए उचित मूल्य निर्धारण प्रणाली सुनिश्चित करती है और संभावित संकटपूर्ण बिक्री से किसानों के हितों की रक्षा करती है।

ब्रांडिंग और ट्रेसेबिलिटी:-

- कपास क्षेत्र की बेहतरी की दिशा में एक उल्लेखनीय कदम "कस्तूरी कपास" की शुरूआत है।
- कस्तूरी कॉटन एक ऐसा ब्रांड है जिसका उद्देश्य एक अलग पहचान के साथ भारतीय कपास को बढ़ावा देना है।
- यह पहल न केवल ब्रांडिंग के बारे में है, बल्कि गुणवत्ता नियंत्रण, पता लगाने की क्षमता और अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय कपास के लिए एक विशिष्ट ब्रांड विकसित करने पर केंद्रित है।

वृहद पैमाने पर प्रदर्शन परियोजना:-

- भारत सरकार द्वारा कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के माध्यम से एक बड़े पैमाने पर प्रदर्शन परियोजना को मंजूरी दी गई है।
- यह परियोजना राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एनएफएसएम) का हिस्सा है।
- यह किसानों के बीच कपास उत्पादकता बढ़ाने के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं की वकालत और प्रदर्शन पर केंद्रित है।
- यह परियोजना उच्च-घनत्व रोपण प्रणाली (एचडीपीएस) और मूल्य श्रृंखला दृष्टिकोण जैसी अत्याधुनिक रणनीतियों का उपयोग करती है।

वस्त्र सलाहकार समूह (टीएजी):-

- वस्त्र मंत्रालय ने वस्त्र सलाहकार समूह (टीएजी) की स्थापना करके एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है।
- टीएजी कपास मूल्य श्रृंखला के भीतर हितधारकों के बीच समन्वय को बढ़ावा देने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है।
- समूह विभिन्न प्रकार के मुद्दों से निपटता है, जैसे उत्पादकता में सुधार, मूल्य निर्धारण योजनाएं, ब्रांडिंग रणनीति आदि।

कॉट-ऐलाई मोबाइल ऐप-

- कपास किसानों को ज्ञान और जानकारी के साथ सशक्त बनाने के लिए, **कॉट-ऐलाई मोबाइल ऐप-विकसित** किया गया हैं।
- ऐप किसानों को उपयोगकर्ता के अनुकूल इंटरफेस के माध्यम से आवश्यक जानकारी तक पहुंच प्रदान करता है।
- इसमें सर्वोत्तम कृषि पद्धतियों पर मार्गदर्शन, एमएसपी दरों का ज्ञान, नजदीकी खरीद केंद्रों की जानकारी और भुगतान ट्रैकिंग जैसे कार्य हैं।

कपास संवर्द्धन और उपभोग समिति (COCPC):-

- कपास संवर्धन और उपभोग संबंधी समिति (COCPC) कपास क्षेत्र के विकास को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
- यह सक्रिय रूप से कपास की स्थिति की निगरानी करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कपड़ा उद्योग को कपास लगातार उपलब्ध हो।
- समिति कपास उत्पादन और खपत से संबंधित महत्वपूर्ण मामलों पर सरकार को सलाह देती है।

स्रोत: पीआइबी

प्रारम्भिक परीक्षा प्रश्न-

निम्नलिखित में से भारत की काली कपास मिट्टी के निर्माण को किस पदार्थ के अपक्षय के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है?

1. कार्बनिक पदार्थ
2. ज्वालामुखीय चट्टान की दरार
3. ग्रेनाइट और शिस्ट
4. शेल और चूना-पत्थर

उत्तर: (2)

भारत में कपास के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

- कपास एक खरीफ फसल है जिसे आमतौर पर परिपक्वता के लिए 6 से 8 महीने की आवश्यकता होती है।
- फसल 21 से 30 डिग्री सेल्सियस के तापमान में उगती है।
- भारत में शीर्ष कपास उत्पादक राज्य मध्य प्रदेश है
- कपास को इष्टतम विकास के लिए लगभग 150 से 200 सेमी की वर्षा की आवश्यकता होती है।

उपरोक्त युग्मों में से कितने सही ढंग से मेल खाते हैं?

1. केवल एक
2. केवल दो
3. केवल तीन
4. चारों

उत्तर: (2)

मुख्य परीक्षा प्रश्न-

भारत में कपास क्षेत्र के समक्ष आने वाली प्रमुख चुनौतियों को रेखांकित कीजिए नीतिगत उपायों और रणनीतियों का सुझाव दें जो इन चुनौतियों का समाधान कर सकते हैं जिससे भारत में कपास उद्योग के सतत विकास को बढ़ावा दिया जा सके। चर्चा कीजिए।

Rajiv Pandey

Yojna IAS
योजना है तो सफलता है
yojnaias.com